Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	Khetdan Charan	Subject/Code:	-
UPSC Roll No:	1142049	Date:	07-07-2024
Drishti Id:	-	E-mail Id:	
Centre:	Nehru Vihar	Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐	Offline ☐		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback

Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्रता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और प्रतिस्थापन के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substiation	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

"वास्तविक समस्या मशीनों का चिंतन करने का सामर्थ्य नहीं, अपितु मानव द्वारा चिंतन कर पाना है।"

... थारे भंगार (लौह & प्लास्टिक कचरा)

लेगो है ... पश्चिमी राजस्थान के एक वृद्ध व्यक्ति द्वारा परेशानी वश कहा गया यह वाक्य उस समय प्रतीत नहीं हुआ था कि मात्र एक वाक्य व्यक्ति की जान ले सकता है। सोशल मीडिया के इस युग में जब कुछ मनचले व्यक्ति द्वारा भंगार वाले बाबा को तंग करने के पश्चात कोपित अवस्था में कहा गया ये वाक्य और बाबा दोनों इतने प्रसिद्ध हो गए कि अब प्रत्येक

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यक्ति इस बाबा को चिढ़ाकर वीडियो बनाने का प्रयास करने लगा। .... इसी प्रकार यह सीमा असीम हो गई तथा बाबा जब फाँसी लगा रहे थे तब भी कुछ व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया प्रसिद्धि हेतु उसे चिढ़ाने और वीडियो (reels) बनाने में संलग्न थे। कुछ ऐसे ही उदाहरण मानवीयता को झकझोर कर रहे हैं तथा यह स्पष्ट कर रहे हैं कि मानव द्वारा मानवता दृष्टिकोण से चिंतन करना अनिवार्य है।

निबंध के इसी क्रम में देखा जाए तो आधुनिक युग को तकनीकी युग की संज्ञा दी जाती है जहाँ वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा चल रही है। जहाँ एक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ओर राष्ट्र तकनीक से अन्य ग्रहो पर जाने के दावें कर रहे है वहीं दूसरी ओर कुछ राष्ट्र पृथ्वी पर भी अपनी उतरजीवित बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे है ऐसे में यह परमावश्यक बन जाता है कि मशीनों द्वारा चिंतन करने के सामर्थ्य तथा मानवीय ~~[illegible]~~ चिंतन सामर्थ्य की अनिवार्यता का मूल्यांकन किया जाए।

यहाँ अल्बर्ट आइनस्टीन के वक्तव्य का उल्लेख करना उचित रहेगा कि " तकनीक (परमाणु) के उपयोग व योगदान की सीमा क्या होगी इसका निर्धारण राष्ट्र की संस्कृति तथा उसकी मानवीय नैतिकता पर निर्भर करेगी।" यह कथन न केवल तत्कालीन परिस्थितियों तथा केवल परमाणु बम तकनीक पर लागू होती है बल्कि

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान की विभिन्न तकनीको जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नैनो टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, ड्रोन तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स इत्यादी पर भी लागू होती है।

इसी क्रम में यदि प्रत्येक तकनीक की विश्लेषित व्याख्या की जानी चाहिए जो कि यह स्पष्ट करें कि की चिंतन आवश्यकता मशीनो को नही बल्कि मनुष्य को है-

यदि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र मे देखे तो हम मशीनो को इतना सक्षम बनाने की दौड़ में लगे हुए है कि एक समय ऐसा आए की हमे श्वास लेने का भी कष्ट न करना पड़े और मशीन स्वयं वह कार्य कर ले। हम मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग इत्यादी विधियों से

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यह कार्य करने की कोशिश कर रहे हैं और सक्षम भी हुए हैं। लेकिन इसी का दूसरा पक्ष देखे तो इन्ही तकनीकों के प्रयोग से हम डीप फेक, पिक्चर मार्फिंग महिलाओ के फोटो से छेड़छाड़ व अश्लीलता प्रदर्शन, इत्यादी के कार्य किए जाने लगे हैं।

~~यदि~~ सोशल मीडिया के युग में जब तक मीडिया तकनीक व मेटावर्स की चर्चा नही की जाए तब तक निबंध अधूरा सा प्रतीत होता है। जहाँ एक ओर संचार तकनीक & सोशल मीडिया जानकारी प्रचार, जागरूकता व लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की भूमिका निभाता है लेकिन मानव ही वह पक्ष है जो इसका प्रयोग करके साम्प्रदायिकता, भड़काऊ भाषण, मूल्यों का अश्लीलीकरण इत्यादी को बढावा

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

देता है जिसके अनेक उदाहरण : जैसे उदयपुर घटना - 2020, भीड़ उन्मादी हिंसा इत्यादी रूप में देखने को मिलते है।

इसी क्रम में जैव प्रौद्योगिकी पर चर्चा की जाए तो इसका प्रयोग जीन एडिटिंग, संकरण बीज निर्माण, रोग-प्रतिरोधक ~~क्षमत~~ क्षमता विकास, क्लोनिंग, IVF, थ्री पैरेंट बेबी इत्यादी में किया जाना चाहिए जो जनकल्याण का कार्य करे। लेकिन मनुष्य ने इसी तकनीक का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया ~~की~~ जिसने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया। प्रत्येक दिन के समाचार प्राय: इन्ही खबरो से भरे रहते है कि ....

"...Dr. कखग ने मरीज के शरीर से kidney चोरी की ..."

"...Dr. चछज को अंग तस्करी के दोष मे सर्वोच्च न्यायालय ने उम्रकैद सजा दी ..."

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार ~~प्रत्येक~~ दिन ब दिन बढ़ते भ्रूण जॉच, पशु अंगो का प्रत्यारोपण, अनैतिक नैदानिक परीक्षण, वैक्सीन निर्माण मे अनैतिकता तथा मशीनी दुरुपयोग ने यह सिद्ध तो किया है कि चिंतन की आवश्यकता मशीनों को नही मनुष्यों को है।

निबंध के इसी क्रम मे अब यह अपरिहार्य हो गया है कि मानवीय चिंतन का विषय क्या हो? क्यों अनिवार्य है? चिंतन का दृष्टिकोण क्या हो? व कैसे किया जाए?

सर्वप्रथम मानवीय चिंतन के विषय पर प्रभावी नजर डालें तो यह स्पष्ट दिखता है कि मनुष्यता ही साध्य है तथा मानव (मनुष्य) उसका साधन है। इसलिए चिंतन का प्रमुख विषय मनुष्यता

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

होना चाहिए। 'गुरु नानक के शब्दो में "धर्म - अर्थ - काम - लज्जा" की पूर्ति करने वाले कार्य आपकी मनुष्यता को बनाए रखता है वही "गीता ~~कि~~ के अनुसार" " निष्काम ~~कर्म~~ स्थिति प्रज्ञता - लोक संग्रह व राजर्षि ~~की~~ अवधारणा आपकी मनुष्यता को साधे रखेगी। एक सरल शब्दों में कहा जाए तो जो कार्य नैतिक है तथा आपकी अंतरात्मा को खुशी प्रदान करेगी वह कार्य मनुष्यता की श्रेणी में रखा जा सकता है।

इसी क्रम में यदि अनिवार्यता के कारणों की चर्चा की जाए तो शायद इन पृष्ठों पर लिख पाना असंभव है पर एक समेकित & सारांशित प्रयास किया जा सकता है। आधुनिक दौर में अनेक सामाजिक समस्याओं (बाल विवाह, घरेलू हिंसा, वैवाहिक बलात्कार, ... इत्यादी), राजनीतिक संकटों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जैसे जातिवाद, राजनीति का अपराधीकरण, जातिकरण साम्प्रदायिकरण, राजनीतिक हिंसा, दल-बदल.... इत्यादि तथा आर्थिक व पर्यावरणीय समस्याओ, अंतर्राष्ट्रीय दुविधाओ (शरणार्थी संकट, सीमा विवाद, आतंकवाद नक्सलवाद, ...) इत्यादि के निपटान हेतु मानव का सामूहिक स्तर पर चिंतन अनिवार्य बन जाता है।

पर समस्या इस बात को लेकर है कि चिंतन का दृष्टिकोण क्या होना चाहिए क्योंकि दृष्टिकोण को लेकर विभिन्नता इतनी है कि प्रत्येक सुकृत्य तथा कुकृत्य को उचित ठहराया जा सकता है क्योंकि जहाँ एक ओर स्वार्थवाद का मानना है कि स्वयं की स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया कार्य सही है वहीं सुखवाद सुख प्राप्ति को श्रेष्ठ मानता है। इसी प्रकार काण्ट केवल

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साधन की पवित्रता पर बल देता है तो गाँधी जी साध्य व साधन दोनो की पवित्रता पर बल देता है।

इसलिए इन सभी दृष्टिकोण के कारण अनेक चिंतन प्रणालियाँ उत्पन्न हुई है लेकिन यदि सर्वोच्च तथा सर्वश्रेष्ठ चिंतन प्रणाली का चयन किया जाए तो यह निसंदेह कहा जा सकता है कि भारतीय दर्शनशास्त्र की वसुधैव कुटुम्बकम् तथा सर्वे भवंतु सुखिन: .. सर्वे संतु निरामय। .. सर्वे भद्राणी पश्न्ययंतु ... सर्वे मा कदाचित दुख भाग्वे। युक्त दृष्टिकोण मानवीय चिंतन का प्रमुख आधार होना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार इस तरकश रूपी निबंध का अंतिम व सारगर्भित बाण यही होना चाहिए कि आधुनिक दौर में मनुष्य ही है जो यह तय करता है कि यह समाज/राष्ट्र किस दिशा में तथा किस प्रकार से गति करना चाहिए। इसलिए मशीनों की बजाय मनुष्य में नैतिक, तार्किक व स्वतंत्र चिंतन प्रणाली का विकास होना अनिवार्य है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"मानचित्र क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करता"

प्रथम विश्वयुद्ध (1914-19) के समाप्ति व पेरिस सम्मेलन के पूर्व संध्या का परिदृश्य है जिसमे बिग फोर व्यक्तित्व (वुड्रो विल्सन, क्लीमेंट एटली ...) अलग-2 रणनीतिया बना रहे है कि जर्मनी को कैसे तोड़ा जाए? फ्रांस के साथ क्या किया जाए? बाल्कन क्षेत्र का विभाजन तथा सीमांकन किस प्रकार हो? यूरोप को किस प्रकार कमजोर किया जाए? .... इन सब चर्चाओ के साथ वर्साय सम्मेलन में क्षेत्र के आधार पर यूरोप का सीमांकन किया गया तथा "आत्म निर्धारण की स्वतंत्रता के अधिकार" का उल्लंघन किया गया। .... आगामी 20 वर्षों में

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत हो गई जो यह स्पष्ट करता है कि सीमांकन /मानचित्रण केवल क्षेत्र के आधार पर नहीं किया जा जा सकता है क्योंकि वह केवल क्षेत्र को प्रदर्शित नहीं करता है; बल्कि राष्ट्रीयता, सामूहिकता, सामुदायिकता, जातिय समानता, भाषा, पहनावा, सांस्कृतिक नियम, परम्परा इत्यादि को प्रदर्शित करता है।

शीर्षक की सार्थकता को मद्देनजर रखते हुए इन बिंदुओं की व्यापक व विस्तृत चर्चा की जानी चाहिए। भारत जैसे बहुविविध राष्ट्र में मानचित्र न केवल इसके 32.8 लाख वर्ग किमी. क्षेत्रफल को दर्शाता है बल्कि यह

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Topic:

मानचित्र 6 विविध धर्मों, 1760 भाषाओं (~~लिंग्विस्टिक~~) (लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया), 3 कोस बदले वाणी 4 कोस बदले पाणी, पृथक त्यौहारो (होली-दिवाली - ईद - क्रिसमस), पृथक सामाजिक नियमों इत्यादि को प्रदर्शित करता है जबकि यूरोप के अधिकांश राष्ट्र का मानचित्र केवल एक धर्म (ईसाई), एक भाषा (फ्रांस, जर्मनी, English), यूनिवर्सल सिविल कोड, सामान्य त्यौहार इत्यादि को प्रदर्शित करते है।

इसी प्रकार यदि चर्चा किसी विशिष्ट क्षेत्र के मानचित्र के भीतर की जाए तो भी इसका एक नया मानचित्रण किया जा सकता है। जैसे भारत के उत्तर का मानचित्र भारत के दक्षिण के मानचित्र से

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

विविधता, पृथकता स्पष्ट करता है: जैसे -

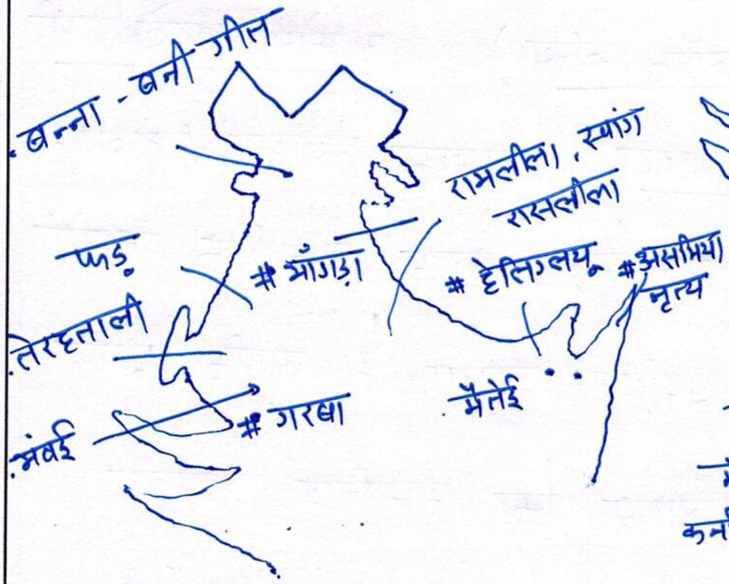

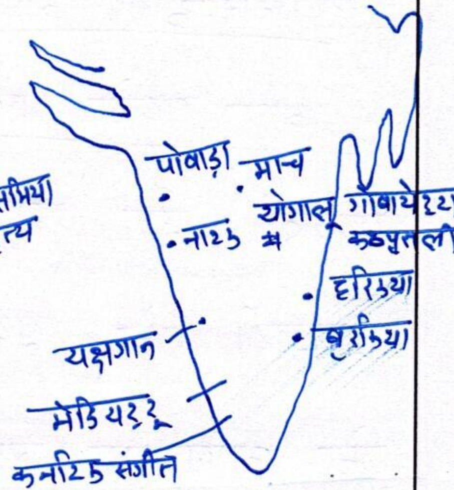

* उत्तर भारत मानचित्र *

* दक्षिण भारत मानचित्र

इस प्रकार भारत का आंतरिक मानचित्र पूर्व से पश्चिम, उत्तर से ~~आ~~ दक्षिण एक पृथक मानचित्र को जन्म देता है तथा ये मानचित्र क्षेत्र के अतिरिक्त अलग-2 तत्वो, की व्याख्या करता है।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि मानचित्र न केवल ~~सांस्कृतिक~~ राष्ट्र, अथवा राज्य की व्याख्या / विशेषता बताता है जबकि इन राज्यों (विस्तृत मानचित्र) का भी विभाजन करके सूक्ष्म / बिंदु रूपी मानचित्र तक पँहुचा जा सकता है - जो कि एकल समाज, एकल - समुदाय का मानचित्रण करते है।

इसी प्रकार मानचित्र न केवल सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय तत्वों ~~की~~ व्याख्या करते है बल्कि वे विभिन्न भौगोलिक व भौतिक तत्वो की व्याख्या करते है जिसका स्पष्ट उल्लेखन किया जा सकता है ; जैसे -

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार एक मानचित्र अपने क्षेत्र के साथ-साथ वर्षण की प्रकृति, वर्षण की मात्रा, जलवायु का प्रकार, दाब पेटियो की उपस्थिति, उसकी गति तथा तापमान अंतराल, वायु की दिशा, महासागर का प्रभाव, उसकी अर्थव्यवस्था की क्षमता इत्यादि को प्रदर्शित करने मे सक्षम है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी प्रकार जब भी मानचित्र केवल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का प्रयास करता है तब वह मानचित्र अस्थायी हो जाता है जिसका इतिहास साक्षी रहा है। 1912-13 मे plan बाल्कन लाया गया तथा बाल्कन क्षेत्र का विभाजन स्केल की तर्ज पर किया गया इस समय समुदाय की भावना तथा जातिय आँकड़ो की अवहेलना की गई। इसी का परिणाम यह हुआ कि वह क्षेत्र आज भी अस्थिरता व अशांति के दौर से गुजर रहा है।

इसी प्रकार का एक अन्य उदाहरण घरेलू/राष्ट्रीय स्तर पर देखा जा

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सकता है जब भारत का मानचित्रण किया जा रहा था तब फजल अली आयोग, धर आयोग, JVP आयोग, राष्ट्रीय पुनर्गठन अधिनियम - 1956 अनेक प्रयास किए जाने के बावजूद भी मानचित्रण में त्रुटिया रही तथा मानचित्र निर्धारण के सभी तत्वों को ध्यान में नहीं रखा गया इसी कारण आज भी उत्तर-पूर्वी भारत मे नागा-कुकी विवाद, मैतेई जनजाति संघर्ष, मिजो संघर्ष, इत्यादि देखने को मिलते है व इन्ही का परिणाम है कि स्वतंत्रता के समय 16 राज्य 6 केंद्र शासित प्रदेश ~~वाला~~ में विभाजित भारत अब पुनः 33 राज्य व 9 केन्द्र शासित प्रदेशो में मानचित्रित है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निस्संदेह यह कहना ~~अतिशयोक्तिपूर्ण~~ अतिलघुकरण ~~नहीं~~ होगा कि मानचित्र केवल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व ~~क्षेत्र~~ करता है। बल्कि मानचित्र उस क्षेत्र की विभिन्न प्रथाओ, नियमो, सांस्कृतिक - सामाजिक - भौगोलिक - राजनीतिक - धार्मिक - नैतिक तत्वों की व्याख्या करता है जो उस क्षेत्र के नागरिकों व निवासियों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

"Social media" के युग मे निबंध की चर्चा "सोशय मीडिया"

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ – Story "भंगार वाले बाबा"

"चिंतन करना" – विषय, क्यों, कैसे

कैसे चिंतन दृष्टि

problems क्या

terror – Economy, Nuclear att, Alber Atom

→ किस, क्या, कैसे चिंतन

क्यों जरूरी

Use of तकनीक

AI – HM

deep learnin

मशीन लर्निंग

नवाचार के कार्य

Bio tech

- xeno transplant
- hene editing
- CAR T cell thr
- Clonning, IVF,

three parent baby

उचित मानवीय चिंतन क्या है – Society किस दिशा मे जाएगी

. बिजली खपत

. गुणवत्ता

fast

AI – deep fake, picture morphing.

but समस्या

→ मानव चिंता है

→ doct. Ethics कमी

→ kidney चोरी

→ organ तस्करी

– नैदानिक परीक्षण अनैतिकता

– ultra sonography.

" मानचित्र क्षेत्र का

प्रतिनिधित्व नहीं करता

Word war Ist – Big four

पेरिस सम्मेलन की सहमा

सन्धि Big four

अलग रणनीति

यूरोप को क... जर्मनी को ... बाल्कन को ... का विभाजन

Africa

plan balcon

* यूरोप के किस, जर्मनी को कैसे, फ्रांस कैसे – विभाजन

बाल्कन का रूप क्या है।

इस प्रकार – अंत

स्केल से विभाजन & मानचित्रण नहीं होता।

भारत समूहो का देश

सांस्कृतिक पक्ष

Social पक्ष

2nd नहीं – only क्षेत्र को

plan balcon

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation